

Serial No. []

F-DTN-M-FDPB

ECONOMICS

Paper—II

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in **Hindi** and in **English**.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any **three** of the remaining questions selecting at least **one** question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Important : Whenever a Question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next Question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous Question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है ।

SECTION—A

1. Attempt the following in not more than **150** words each :— 12×5=60
- (a) Discuss in detail the views of VKRV Rao on deficit financing.
 - (b) During the British rule, commercialisation of agriculture was forced on the farmers, while now it is the need of the hour. Discuss.
 - (c) What do you mean by the 'Hindu rate of growth' ? Why has it been argued that poverty can not be eradicated under the Hindu rate of growth ?
 - (d) Trace the growth of real per capita income in India in the pre-liberalisation period, keeping in view the interplay of increasing population and increasing real national income.
 - (e) Explain why in spite of economic planning income-distribution has turned more unequal through time.
2. Attempt the following in not more than **250** words each :— 20×3=60
- (a) 'Population is not just a denominator to deflate aggregates. It is determined by the level and pattern of economic development.' Comment.



खंड 'क'

1. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक **150** शब्दों से अधिक में न हों :-- $12 \times 5 = 60$
- (क) घाटा वित्तीयन पर वी.के.आर.वी. राव के विचारों पर विस्तार से चर्चा कीजिये।
- (ख) 'अंग्रेजी शासन के दौरान, कृषि का वाणिज्यीकरण किसानों पर बलपूर्वक लादा गया था, जबकि अब यह समय की आवश्यकता बन गया है।' चर्चा कीजिये।
- (ग) संवृद्धि की 'हिंदू दर' से आपका क्या तात्पर्य होता है ? यह तर्क क्यों पेश किया गया है कि संवृद्धि की हिंदू दर के अधीन निर्धनता का उन्मूलन नहीं किया जा सकता है ?
- (घ) वर्धमान जनसंख्या और वर्धमान वास्तविक राष्ट्रीय आय की अन्योन्यक्रिया को ध्यान में रखते हुए, पूर्व-उदारीकरण अवधि में, भारत में वास्तविक प्रतिव्यक्ति आय की संवृद्धि को अनुरेखित कीजिये।
- (च) समझाइये कि क्या कारण है कि आर्थिक योजनाकरण के बावजूद आय-वितरण समय बीतने के साथ अपेक्षाकृत अधिक असमान बन गया है।
2. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक **250** शब्दों से अधिक में न हों :-- $20 \times 3 = 60$
- (क) 'जनसंख्या समुच्चयों को अपस्फीत करने का एक हर (डिनोमिनेटर) मात्र नहीं है। वह आर्थिक विकास के स्तर एवं प्रतिरूप (पैटर्न) के द्वारा निर्धारित होती है।' टिप्पणी कीजिये।



- (b) Distinguish between cooperative, contractual and corporate farming. Which of these is best suited for India and why ?
- (c) Delineate the trends in the growth and industrial composition of public sector in India during the pre-liberalisation period.
3. Attempt the following in not more than **250** words each :— 20×3=60
- (a) Compare the strategies of trickle down growth with inclusive growth. Why should the strategy of inclusive growth be preferred ?
- (b) How was the Jute industry affected after partition ? What remedial measures were taken to arrest its decline ?
- (c) Discuss the various measures of poverty with policy implications for removal of poverty.
4. Attempt the following in not more than **300** words each :— 30×2=60
- (a) A number of production lines were reserved for the small scale sector in the pre-liberalisation period. Did such reservation achieve its objectives ? Explain in detail.



(ख) सहयोगी, संविदात्मक और निगमित खेती के बीच विभेदन कीजिये। इनमें से कौनसी भारत के लिए सर्वाधिक अनुकूल है और क्यों ?

(ग) पूर्व-उदारीकरण अवधि के दौरान भारत में सार्वजनिक क्षेत्रक की संवृद्धि और औद्योगिक संघटन में प्रवृत्तियों की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिये।

3. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक **250** शब्दों से अधिक में न हों :— $20 \times 3 = 60$

(क) 'टपकन संवृद्धि' की रणनीतियों की 'समावेशी संवृद्धि' की रणनीतियों के साथ तुलना कीजिये। समावेशी संवृद्धि की रणनीति को क्यों तरजीह दी जानी चाहिये ?

(ख) विभाजन के पश्चात् पटसन उद्योग किस प्रकार प्रभावित हुआ था ? उसके पतन को रोकने के लिए क्या-क्या उपचारात्मक उपाय किए गए थे ?

(ग) निर्धनता के विभिन्न मापों पर, निर्धनता निराकरण के लिए नीति निहितार्थों सहित, चर्चा कीजिये।

4. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक **300** शब्दों से अधिक में न हों :— $30 \times 2 = 60$

(क) पूर्व-उदारीकरण अवधि में, छोटे पैमाने के क्षेत्रक के लिए अनेक उत्पादन रेखाएं आरक्षित थीं। क्या ऐसे आरक्षण ने अपने उद्देश्य प्राप्त किए थे ? सविस्तार स्पष्ट कीजिये।



- (b) What are the factors which determine the size and composition of national income ? In this respect contrast the scenarios between pre and post liberalisation periods.

SECTION—B

5. Attempt the following in not more than **150** words each :— 12×5=60

- (a) Characterise the inflationary process in the last three years. What steps were taken by the RBI and the Government to control it ?
- (b) Explain why in spite of poverty alleviation schemes number of the poor has not fallen very much.
- (c) Discuss the factors responsible for slow growth in agriculture in recent years. What steps ought to be taken for sustained growth in this sector ?
- (d) Can disinvestment in public sector units be a sustainable alternative for raising resources for government expenditure ?
- (e) Would a flexible exchange rate regime serve India better than a fixed exchange rate regime in the current international scenario ?



(स) वे कौन से कारक हैं जो राष्ट्रीय आय के आकार और संघटन का निर्धारण करते हैं ? इस संबंध में, पूर्व और उत्तर उदारिकरण अवधियों के बीच परिदृश्यों की विषमता (कंट्रास्ट) प्रस्तुत कीजिये।

खंड 'ख'

5. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक 150 शब्दों के अंदर-अंदर हों :— 12×5=60

(क) पिछले तीन वर्षों में स्फीति प्रक्रम के लक्षणों का वर्णन कीजिये। उसको नियंत्रित करने के लिए आर.बी.आई. और सरकार ने क्या कदम उठाए थे ?

(ख) स्पष्ट कीजिये कि किस कारण निर्धनता न्यूनीकरण योजनाओं के बावजूद निर्धनों की संख्या बहुत अधिक कम नहीं हुई है।

(ग) हाल के वर्षों में, कृषि में धीमी संवृद्धि के लिए जिम्मेदार कारकों पर चर्चा कीजिए। इस क्षेत्रक में धारित संवृद्धि (सस्टेंड ग्रोथ) के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिये ?

(घ) क्या सार्वजनिक क्षेत्रक इकाइयों में विनिवेशन, सरकारी व्यय के लिए संसाधनों को पोषित करने के लिए एक धारणीय विकल्प हो सकता है ?

(च) वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में, क्या नियत विनिमय दर शासन की अपेक्षा नम्य विनिमय दर शासन भारत को अधिक लाभकारी होगा ?



6. Attempt the following in not more than **300** words each :-- 30×2=60

(a) Discuss the salient features of TRIPS and Indian position on (i) geographical indications and (ii) plant breeders' rights.

(b) Why is capital inflow through multinational corporations preferred over foreign debt ?

7. Attempt the following in not more than **250** words each :— 20×3=60

(a) Discuss the major recommendations of the Thirteenth Finance Commission with regard to augmentation of resources of local governments.

(b) Distinguish between fiscal federalism and political federalism. How has fiscal federalism been evolving in relation to special category States in particular and other States in general ?

(c) How is GST different from VAT ? What is the grand bargain suggested by the Thirteenth Finance Commission for implementation of GST ?



6. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक अधिक से अधिक
300 शब्दों में हों :— 30×2=60

(क) 'ट्रिप्स' के प्रमुख अभिलक्षणों पर और (i) भौगोलिक सूचकों और (ii) पादप प्रजनकों के अधिकारों पर भारत के रुख पर चर्चा कीजिये।

(ख) किस कारण से विदेशी ऋण पर बहु-राष्ट्रीय निगमों के माध्यम से पूंजी अंतर्वाह को तरजीह दी जाती है ?

7. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक 250 शब्दों के अंदर-अंदर हों :— 20×3=60

(क) स्थानीय सरकारों के संसाधनों के संवर्धन के संबंध में तेरहवें वित्त आयोग की प्रमुख सिफारिशों पर चर्चा कीजिये।

(ख) राजकोषीय परिसंघवाद और राजनीतिक परिसंघवाद के बीच विभेदन कीजिये। विशेष रूप से विशेष श्रेणी राज्यों और सामान्य रूप से अन्य राज्यों के संबंध में राजकोषीय परिसंघवाद किस प्रकार विकसित होता रहा है ?

(ग) मा.से.कर (जी.एस.टी.) 'वैट' से किस प्रकार भिन्न है ? जी.एस.टी. के कार्यान्वयन के लिए तेरहवें वित्त आयोग के द्वारा किस भव्य सौदे का सुझाव दिया गया है ?



8. Attempt the following in not more than **300** words each :— 30×2=60

- (a) Examine the new EXIM policy. Given the tough competition in international trade, what corrective measures would you suggest to make it more successful in boosting Indian exports ?
- (b) Explain the salient features of the Fiscal Responsibility Act. Explain to what extent has the Government of India been able to adhere to the provisions of this Act ?



8. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक 300 से अधिक शब्दों में न हों :— 30×2=60

(क) नई नि.आ. (एक्सिम) नीति का परीक्षण कीजिये। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में कड़ी स्पर्धा होने की स्थिति में, भारतीय निर्यातों के वर्धन में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को अपेक्षाकृत अधिक सफल बनाने के लिए आप कौन से सुधारक उपाय सुझाएंगे ?

(ख) राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम के प्रमुख अभिलक्षणों को स्पष्ट कीजिये। स्पष्ट कीजिये कि भारत सरकार किस सीमा तक इस अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन कर पाई है।



Serial No.

F-DTN-M-FDPB

अर्थशास्त्र
प्रश्न-पत्र—II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

यह आवश्यक है कि जब भी किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हों, तब उस प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर साथ-साथ दें। इसका अर्थ यह है कि अगले प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आगे बढ़ने से पूर्व पिछले प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर समाप्त हो जाएं। इस बात का कड़ाई से अनुसरण कीजिए।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े हुए पृष्ठों को स्याही से स्पष्ट रूप से काट दें। खाली छूटे हुए पृष्ठों के बाद लिखे हुए उत्तरों के अंक न दिए जाएं, ऐसा हो सकता है।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.



Download FREE UPSC E-BOOKS

FREE!

CLICK HERE